इस प्रश्न–पत्र में 14 प्रश्न तथा 4 मुद्रित पृष्ठ हैं।

अनुक्रमांक | | | | | | | | | | | | |

कोड संख्या : 71/S/225/A

सेट – A

चित्रकला (सिद्धान्त)

(225-H)

परीक्षा का दिन व दिनांक ____________________

निरीक्षकों के हस्ताक्षर 1. ____________________

2. ____________________

सामान्य अनुदेश :

1. सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
2. इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण दोपहर में **02.15** बजे किया जाएगा। **02.15** बजे से **02.30** बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।
3. परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
4. कृपया प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
5. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में आपको चार विकल्पों (A), (B), (C) और (D) में से कोई **एक** उत्तर चुनना है तथा दी गई उत्तर–पुस्तिका में आप सही उत्तर लिखिए।
6. सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना है।
7. उत्तर–पुस्तिका में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा।
8. प्रश्नपत्र में किसी भी प्रकार के संदेह अथवा दुविधा की स्थिति में अंग्रेजी अनुवाद ही मान्य होगा।
9. अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र की कोड संख्या **71/S/225/A, सेट-A** लिखें।
10. (क) प्रश्न–पत्र केवल हिंदी/अंग्रेजी में है। फिर भी, यदि आप चाहें तो नीचे दी गई किसी एक भाषा में उत्तर दे सकते हैं :
    अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, पंजाबी, बंगला, तमिल, मलयालम, कन्नड़, तेलुगू, मराठी, उड़िया, गुजराती, कोंकणी, मणिपुरी, असमिया, नेपाली, कश्मीरी, संस्कृत और सिन्धी।
    कृपया उत्तर–पुस्तिका में दिए गए बॉक्स में लिखें कि आप किस भाषा में उत्तर लिख रहे हैं।
    (ख) यदि आप हिंदी एवं अंग्रेजी के अतिरिक्त किसी अन्य भाषा में उत्तर लिखते हैं तो प्रश्नों को समझने में होने वाली त्रुटियों / गलतियों की जिम्मेदारी केवल आपकी होगी।

चित्रकला (सिद्धान्त)

(225-H)

समय : **2** घण्टे] [पूर्णांक : **30**

निर्देश : (i) इस प्रश्नपत्र में कुल **14** प्रश्न हैं।

(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(iii) प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक दिए गए हैं।

(iv) **खण्ड–अ** के प्रश्न इस प्रकार हैं –

प्र. सं. **1** से **6** – प्रत्येक बहुविकल्पीय प्रश्न **01** अंक का है। इन सभी प्रश्नों में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन करें एवं लिखें।

(v) **खण्ड–ब** में प्र.सं. **7** व **8** वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं। अनुच्छेदों को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(vi) **खण्ड–स** में प्र. सं. **9** से **14** विषयपरक प्रकार के प्रश्न हैं।

(a) प्र. सं. **9** से **12** – **02** – अंकों के अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न हैं जिनका उत्तर **30** शब्दों में दीजिए। इनमें से एक प्रश्न में आन्तरिक विकल्प प्रदान किया गया है।

(b) प्र. सं. **13** – लघु उत्तरात्मक प्रकार का **03** अंकों का प्रश्न है जिसका उत्तर **50** शब्दों में दीजिए। इस प्रश्न में आन्तरिक विकल्प प्रदान किया गया है।

(c) प्र. सं. **14** – दीर्घउत्तरात्मक प्रकार का **04** अंकों का प्रश्न है जिसका उत्तर **70** शब्दों में दीजिए। इस प्रश्न में आन्तरिक विकल्प प्रदान किया गया है।

खण्ड – अ

नीचे लिखे प्रश्नों का सही उत्तर छाँटकर लिखिए :

1 अजन्ता में अपूर्ण गुफाएँ कितनी हैं? **1**

(A) एक (B) दो

(C) तीन (D) चार

2 'पीएटा' मूर्ति का मूल ढांचा क्या है? **1**

(A) स्तम्भीय (B) त्रिभुजाकार

(C) गोलाकार (D) बेलनाकार

3 ''एंग्युलर स्ट्रक्चर'' पेन्टिंग के चित्रकार कौन हैं? **1**

(A) लिओनार्डो–डा–विन्ची (B) वेंग गग

(C) वैसिली कांडिंस्की (D) सेज़ां

4 'वर्लपूल' नामक चित्र में किस मुद्रण तकनीक को अपनाया गया है? **1**

(A) शिलामुद्र (B) लिथोग्राफी

(C) उत्कीर्ण (D) भित्ति–चित्र

5 'राजा रानी' मन्दिर _____ प्रदेश में स्थित है। **1**

(A) राजस्थान (B) मध्य प्रदेश

(C) कर्नाटक (D) उड़ीसा

6 उस कलाकार को पहिचानिए जिसका सम्बन्ध "_____" चित्र से है। 1

(A) कलॉड मॉने – दि नाइट वाच
(B) ऐडगर डेगा – स्माल बॉटल ऑफ रम
(C) विन्सेन्ट वेन गग – ब्लैक लाईन्स
(D) अमृता शेरगिल – दुल्हन का शृंगार

खण्ड – ब

नीचे लिखे अनुच्छेदों को पढ़िये और प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

7 अनुच्छेद प्रथम :

महाराष्ट्र में औरंगाबाद जिले के निकट अजन्ता गुफाएँ हैं। भारतीय चित्रकला के इतिहास में अजन्ता चित्रों का एक अभूतपूर्व स्थान है। अजन्ता के चित्रों में भगवान बुद्ध को प्रतीकों एवं मानवीय रूप में दिखाया है। वही नारी का चित्रण विशेष रूप से उल्लेखनीय है। बौद्ध स्तूपों तथा चैत्यों में चित्र बनाने वाले अजन्ता के कलाकार ने धर्म के आवेश में नारी के महत्व को भुला नहीं दिया है। जीवन के विविध प्रसंगों में नारी, पुरूष की अनेक रूपों में सहचरी रही है। कभी वह प्रणयिनि बनकर तृषित प्रेमी को प्रणय का दान देती है तो कभी माता बनकर सृष्टि की शृंखला को निरन्तर जीवित रखती है। नारी के विभिन्न रूपों को तथा स्वभावों को अजन्ता के चित्रकारों ने बड़ी बारीकी से अंकित किया है। वास्तव में अजन्ता के कलाकार ने सृष्टि में जो विभिन्न रूप नारी के देखे हैं उनका ही चित्रण किया है। नारी के प्रत्येक अंग और प्रत्येक अवस्था का चित्रण उसने बड़ी बारीकी से किया है। अजन्ता की नारी कोई व्यक्तिगत पात्र नही है, वह तो एक नियम है, अपितु समस्त विश्व के सौन्दर्य की अवतार है। अजन्ता चित्रों में अश्वेत राजकुमारी सर्वोत्तम कृति मानी जाती है। चित्र में स्वतन्त्र रेखाओं का प्रयोग तथा कलाकार की कला के द्वारा प्रदर्शित अंगों का गूढ़ सामन्जस्य, चेहरे का थोडा–सा तिरछापन एवं आँखों की नक्काशी–सभी कुछ कलाकार की सिद्धहस्तता का नमूना है। जिन रंगों का प्रयोग किया गया है, वे अत्यन्त सहज हैं तथा उनमें चटकीलेपन का अभाव है। नारी–चित्रण अजन्ता की चरम उपलब्धि है।

रिक्त स्थान भरिये :

(a) अजन्ता के चित्रों में भगवान बुद्ध को _____ रूप में दिखाया गया है। 1
(b) अजन्ता के चित्र बौद्ध _____ तथा _____ में बनाये गये हैं। 1
(c) _____ के प्रत्येक अंग का चित्रण बड़ी बारीकी से किया है। 1
(d) 'अश्वेत राजकुमारी' का चित्र कलाकार की _____ का नमूना है। 1
(e) अजन्ता चित्रों में प्रयुक्त रंग _____ हैं तथा वे _____ नहीं है। 1

8 अनुच्छेद द्वितीय :

आधुनिक भारतीय चित्रकला का प्रारम्भ बंगाल की नवजागृति के साथ माना जाता है। 19वीं शताब्दी की विदाई के साथ भारत की प्रधान कला शैलियां मुगल, राजपूत, पहाड़ी और उनसे प्रभावित अनेक उप शाखायें विलुप्त हो गयी। इसका कारण भारत में यूरोपीय कला का प्रवेश था। यूरोपीय शैली के भारतीय चित्रकारों में पहला नाम त्रावणकोर के राजा रवि वर्मा का है। उनसे भी पहिले मदुरा के चित्रकार श्री अलाग्री नायडू इस क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त कर चुके थे, उन्ही से राजा रवि वर्मा ने शिक्षा प्राप्त की थी। राजा रवि वर्मा ने चित्रकला की शिक्षा यूरोपीय चित्रकारों से भी प्राप्त की जो दक्षिण भारत का भ्रमण कर रहे थे। राजा रवि वर्मा ने बहुत से अच्छे चित्र बनाये और सस्ते तैल छापों में छपवाकर देश में फैले और प्रचलित किये।

ये चित्र बहुत लोकप्रिय हुये और इनका मुख्य कारण था भारतीय देवी देवताओं एवं पुरानी कथाओं तथा उपाख्यानों पर बने चित्र। राजा रवि वर्मा के इन चित्रों पर यथार्थवादी शैली का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

सत्य या असत्य लिखिये :

(a) 19वीं शताब्दी के साथ ही मुगल तथा पहाड़ी चित्रकला विलुप्त हो गयी थी। (सत्य/असत्य) **1**

(b) भारत में यूरोपीय कला का प्रवेश होने के कारण राजपूत कला विलुप्त हो गयी। (सत्य/असत्य) **1**

(c) अलाग्री नायडु ने राजा रवि वर्मा से चित्रकला की शिक्षा प्राप्त की थी। (सत्य/असत्य) **1**

(d) राजा रवि वर्मा ने उन यूरोपीय कलाकारों को शिक्षित किया जो दक्षिण भारत में भ्रमण कर रहे थे। (सत्य/असत्य) **1**

खण्ड – स

विकल्प को चुनिये और सभी प्रश्नों के उत्तर (कम से कम **30-40** शब्दों में) दीजिए :

9 अमृता शेरगिल के विषय में संक्षेप में लिखिए। **2**

10 ''प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट ग्रुप'' के बारे में आप क्या जानते हैं? इस ग्रुप के कुछ कलाकारों के नाम बताइए। **2**

11 क्या आप ''मोनालिसा'' को नवयुग पुनर्जागरण की महान कलाकृति मानते हैं? क्यों? **2**

12 (a) होयसल काल का सामान्य परिचय दीजिए। **2**

अथवा

(b) 'लेंड़स्केप इन रेड़' चित्र का वर्णन कीजिए।

विकल्प को चुनिये और सभी प्रश्नों के उत्तर (कम से कम **50-60** शब्दों में) दीजिए :

13 (a) सिन्धुघाटी सभ्यता के कार्यों का वर्णन कीजिए। **3**

अथवा

(b) चोल कलाकार किस धातु की मूर्ति बनाने में निपुण थे? चोल काल में बने दो प्रसिद्ध मन्दिरों के नाम गुणों सहित वर्णन कीजिए।

विकल्प को चुनिये और सभी प्रश्नों के उत्तर (कम से कम **70-80** शब्दों में) दीजिए :

14 (a) अतियथार्थवाद क्या है? पिकासो के कोई एक चित्र को चुनकर उसका वर्णन कीजिए। **4**

अथवा

(b) गगनेन्द्रनाथ टैगोर पर प्रशंसात्मक निबन्ध लिखिए।